शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

तृतीय वर्ष (कला) (बी. ए. भाग – 3 हिंदी)
जून 2012 से लागू
हिंदी स्पेशल

विधा विशेष का अध्ययन

- **उद्देश्य :–**

1. उपन्यास और नाटक के तात्विक स्वरूप का परिचय देना ।
2. उपन्यासकार एवं नाटककार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना ।
3. रचना विशेष का महत्त्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना ।
4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षन की क्षमता विकसित कराना ।
5. पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास एवं नाटक की प्रासंगिकता से अवगत कराना ।

- **अध्ययनार्थ विषय :–** **सत्र – V**

(प्रश्नपत्र – VI) विधा विशेष का अध्ययन

- **पाठ्यपुस्तक :–** अनबीता व्यतीत – कमलेश्वर (उपन्यास)

युनिट – 1 कमलेश्वर के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं उपन्यासकार कमलेश्वर का सामान्य परिचय ।
युनिट – 2 ' अनबीता व्यतीत ' का कथानक ।
युनिट – 3 ' अनबीता व्यतीत ' का चरित्र – चित्रण ।
युनिट – 4 ' अनबीता व्यतीत ' का परिवेश, संवाद, भाषा शैली, उद्देश्य एवं शीर्षक ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1	पूरे पाठ्यक्रमपर पॉच बहुविकल्पी प्रश्न	05
प्रश्न – 2	' अनबीता व्यतीत ' पर ससंदर्भ प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न – 3	' अनबीता व्यतीत ' एवं कमलेश्वर पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न – 4	' अनबीता व्यतीत ' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

- **अध्ययनार्थ विषय :–** **सत्र – VI**

(प्रश्नपत्र – XII) विधा विशेष का अध्ययन

- **पाठ्यपुस्तके :–** दो व्यंग्य नाटक – शरद जोशी
(एक था गधा ऊर्फ अलादाद खॉं और अंधों का हाथी)

युनिट – 1 शरद जोशी का व्यक्तित्व, कृतित्व एवं नाटककार शरद जोशी का सामान्य परिचय ।
युनिट – 2 'एक था गधा ऊर्फ अलादाद खॉं' नाटक का कथानक एवं पात्र ।

युनिट – 3 'एक था गधा ऊर्फ अलादाद खॉ ' में चित्रित संवाद, संकलनत्रय, अभिनेयता, भाषा शैली एवं उद्देश्य ।

युनिट – 4 ' अंधों का हाथी ' नाटक का कथ्य, शिल्पविधान, सामाजिक एवं राजनीतिक व्यंग्य, उद्देश्य ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1	पूरे पाठ्यक्रमपर पॉच बहुविकल्पी प्रश्न	05
प्रश्न – 2	'एक था गधा ऊर्फ अलादाद खॉ' पर ससंदर्भ प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न – 3	' अंधों का हाथी ' पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न – 4	'एक था गधा ऊर्फ अलादाद खॉ और अंधों का हाथी ' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

- **संदर्भ ग्रंथ :–**

1. कमलेश्वर की कहानियों का अनुशीलन : डॉ. मंजुला देसाई
2. शरद जोशी : एक यात्रा : सं. डॉ. शशि मिश्र, किताब घर, नई दिल्ली
3. शरद जोशी के व्यंग्य नाटक – अनुपमा भोरे, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर –14
4. हिंदी व्यंग्य विधा शास्त्र और इतिहास – डॉ. बापूराव देसाई, चिंतन प्रकाशन, दिल्ली – 2
5. व्यंग्य विवेचन – डॉ. श्यामसुंदर घोष, पराग प्रकाशन, दिल्ली – 32

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

तृतीय वर्ष (कला) (बी. ए. भाग – 3 हिंदी)

जून 2012 से लागू

हिंदी स्पेशल (**सत्र – V एवं VI**)

साहित्य सिद्धांत और समालोचना

- **उद्देश्य :–**

1. भारतीय तथा पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांतों तथा हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियों का ज्ञान प्राप्त कराना ।
2. साहित्य की मर्मग्राहिणी क्षमता का विकास कराना ।
3. काव्य के विभिन्न अंगों का सामान्य परिचय कराना ।
4. साहित्य समीक्षा की दृष्टि विकसित कराना ।

- **अध्ययनार्थ विषय :–** **सत्र – V**

(प्रश्नपत्र – VIII)

युनिट – 1 काव्य / साहित्य – परिभाषा, तत्त्व, प्रेरणा, प्रयोजन ।

युनिट – 2 अ) शब्दशक्ति – अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना का सामान्य परिचय

आ) अलंकार –

शब्दालंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक

अर्थालंकार – उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति ।

युनिट – 3 रस : परिभाषा, रस के अंग और भेदों का सामान्य परिचय ।

युनिट – 4 रेखाचित्र, जीवनी, संस्मरण, यात्रा साहित्य विधाओं का स्वरूप ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1	पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न	05
प्रश्न – 2	युनिट 4 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न – 3	युनिट 2 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2) (अलंकारों पर 2, शब्दशक्ति पर 1)	10
प्रश्न – 4	युनिट 1 और 3 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

- **अध्ययनार्थ विषय :–** **सत्र – VI**

(प्रश्नपत्र – XIII)

युनिट – 1 काव्य भेद –
1) महाकाव्य – भारतीय और पश्चिमी तत्त्व ।
2) खण्डकाव्य – परिभाषा एवं तत्त्व ।
3) प्रगीत एवं उसके भेद ।

युनिट – 2 1) नाटक – पश्चिमी तत्त्व ।
2) उपन्यास – परिभाषा, तत्त्व, प्रकार ।
3) निबंध – परिभाषा, तत्त्व, प्रकार ।

युनिट – 3 आलोचना
1) परिभाषा, स्वरूप ।
2) आलोचना के प्रकार ।
(ऐतिहासिक, तुलनात्मक, व्याख्यात्मक, निर्णयात्मक) ।
3) आलोचक के गुण ।

युनिट – 4 अ) आत्मकथा, साक्षात्कार और रिपोर्ताज का सामान्य परिचय ।
आ) छंद :
मात्रिक – दोहा, चौपाई और सोरठा ।
वर्णिक – वसंततिलका, मंदाकिनी, शिखरिणी ।
(लक्षण और उदाहरण अपेक्षित हैं, उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नहीं ।)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1	पूरे पाठ्यक्रमपर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न ।	05
प्रश्न – 2	युनिट 3 पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न – 3	युनिट 4 पर टिप्पणियाँ (3 में से 2) (छंदों पर 2, गद्यविधाओं पर 1)	10
प्रश्न – 4	युनिट 1 और 2 पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

तृतीय वर्ष (कला) (बी. ए. भाग – 3 हिंदी)

जून 2012 से लागू

हिंदी स्पेशल (**सत्र – V एवं VI**)

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन 2000 ई. तक)

- **उद्देश्य :–**

1. हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि से परिचित कराना I
2. हिंदी साहित्य के इतिहास के काल#विभाजन एवं नामकरण तथा विशेषताओं से परिचित कराना I
3. हिंदी साहित्य के इतिहास को कालक्रमानुसार अवगत कराना I
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित कराना I
5. हिंदी साहित्य की कालजयी रचनाएॅं और रचनाकारों का सामान्य परिचय से अवगत कराना I

- **अध्ययनार्थ विषय :–** **सत्र – V**

(प्रश्नपत्र – IX)

युनिट – 1 आदिकाल –

1) आदिकाल – नामकरण, युगीन परिस्थितियॉं I (सामाजिक एवं राजनीतिक) युगीन साहित्य की विशेषताएँ I

2) प्रतिनिधि रचनाएँ I (पृथ्वीराज रासो, बीसलदेव रासो) और प्रमुख रचनाकारों (अमीर खुसरो, विद्यापति) का सामान्य परिचय

युनिट – 2 भक्तिकाल –

1) भक्तिकालीन सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ I

2) निर्गुण एवं सगुण भक्तिधारा की विशेषताएँ I

युनिट – 3 निर्गुण भक्तिधारा –

1) कबीर : व्यक्तित्व एवं साहित्य का सामान्य परिचय I

2) जायसी : व्यक्तित्व एवं साहित्य का सामान्य परिचय I

युनिट – 4 सगुण भक्तिधारा –

1) तुलसीदास : व्यक्तित्व एवं साहित्य का सामान्य परिचय I

2) सूरदास, मीरा, रसखान, रहीम का परिचय I

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1	पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (युनिट 3 और 4 पर)	05
प्रश्न – 2	आदिकाल पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न – 3	भक्तिकाल (युनिट 2) पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	10
प्रश्न – 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न(युनिट 3 और 4 पर)(अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

- **अध्ययनार्थ विषय :–** **सत्र – VI**

(प्रश्नपत्र – XIV)

युनिट – 1 रीतिकाल –

1) रीतिकाल – नामकरण युगीन परिस्थितियाँ ।
(सामाजिक एवं राजनीतिक)
2) प्रतिनिधि कवियों (केशवदास, बिहारी, भूषण, धनानंद) का सामान्य परिचय ।

युनिट – 2 आधुनिककाल –

1) आधुनिककालीन सामाजिक तथा राजनीतिक परिस्थितियाँ ।
2) गद्य का उद्भव और विकास ।

युनिट – 3 गद्य विधाओं का विकास

1) उपन्यास और यात्रा साहित्य का सन 2000 ई. तक का विकास ।
2) नाटक और निबंध – साहित्य का सन 2000 ई. तक का विकास ।

युनिट – 4 काव्य की विभिन्न धाराओं की विशेषताएँ ।

1) छायावादी और हालावादी कविता ।
2) प्रगतिवादी और समकालीन कविता ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1	पॉच बहुविकल्पी प्रश्न (युनिट 3 ,4 पर)	05
प्रश्न – 2	रीतिकाल पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	10
प्रश्न – 3	आधुनिककाल (युनिट 2) पर टिप्पणियॉ (3 में से 2)	10
प्रश्न – 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न(युनिट 3 और 4 पर)(अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

- **संदर्भ पुस्तकें :–**

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियॉ – डॉ. जयकिशन खण्डेलवाल
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चनसिंह
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
7. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियॉ – डॉ. शिवकुमार शर्मा
8. हिन्दी साहित्य का सही इतिहास – डॉ. चन्द्रभानु सोनवणे
9. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य – डॉ. लक्ष्मीसागर वर्ष्णिय
10. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा
11. हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपादक–डॉ. नगेन्द्र, सहसंपादक–डॉ. हरदयाल

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

तृतीय वर्ष (कला) (बी. ए. भाग – 3 हिंदी)

जून 2012 से लागू

हिंदी स्पेशल (**सत्र – V एवं VI**)

प्रयोजनमूलक हिन्दी

- **उद्‌देश्य :–**

1. राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी के विकास में छात्रों को अवगत कराना ।
2. हिंदी के प्रयोग के प्रति रूचि जगाकर उनमें पत्राचार संबंधी क्षमता का विकास कराना ।
3. व्यावहारिक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियों से छात्रों को परिचित कराना ।
4. आधुनिक जनसंचार माध्यमों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग एवं संभावनाओं से छात्रों को परिचित कराना ।
5. अनुवाद का स्वरूप, प्रकार आदि से छात्रों को अवगत कराना ।

- **अध्ययनार्थ विषय :–** **सत्र – V**

(प्रश्नपत्र – X)

युनिट – 1 पारिभाषिक शब्दावली –

दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्यायवाची रूप ।
परिशिष्ट में दिए हुए 'अ' तथा 'ब' विभाग के 50 शब्द

युनिट – 2 कार्यालयी पत्राचार –

1) नौकरी के लिए आवेदन पत्र ।
2) पदाधिकारियों के नाम पत्र ।
3) अधिसूचना ।
4) परिपत्र ।
5) कार्यालय आदेश ।
6) कार्यालय ज्ञापन ।

युनिट – 3 संदर्भ स्रोतों का परिचय –

1) राजभाषा और राष्ट्रभाषा ।
2) टेलिफोन ।
3) इंटरनेट ।
4) बहुमाध्यम ।

युनिट – 4 जनसंचार माध्यम (सामान्य परिचय) –

1) जनसंचार माध्यम : अर्थ, स्वरूप और प्रकार ।
अ) मुद्रित माध्यम : विज्ञापन लेखन, दैनिक समाचार पत्र और पत्र–पत्रिकाएँ ।
ब) इलेक्ट्रानिक्स् माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन और संगणक ।
(तकनीकी जानकारी अपेक्षित नहीं)

2)वृत्तांत लेखन : 1) महाविद्यालयीन समारोह
2) सामाजिक समारोह
3) प्राकृतिक आपदाएँ
4) दूर्घटनाओं का वृत्तांत लेखन

हिंदी स्पेशल (प्रश्नपत्र क्र. 7)

प्रयोजनमूलक हिंदी

परिशिष्ट

पारिभाषिक शब्दावली –

(अ)	जनसंचार माध्यम संबंधी शब्द –		
1.	Announcer	:	निवेदक / उद्घोषक
2.	Artistic	:	कलात्मक
3.	Audio-Visual	:	दृक्–श्राव्य
4.	Banner	:	पताका
5.	Biographer	:	जीवनीकार
6.	Biweekly	:	अर्ध साप्ताहिक
7.	Bulletin	:	विज्ञप्ति
8.	Catalogue	:	सूची
9.	Calligraphy	:	सुलेखन
10.	Caption	:	शीर्षक / चित्र परिचय
11.	Cartoonist	:	व्यंग्य चित्रकार
12.	Choreography	:	नृत्य रचना
13.	Columnist	:	स्तंभलेखक
14.	Commentator	:	समालोचक
15.	Compositer	:	अक्षर योजक
16.	Communication	:	संचार
17.	Creation	:	सृजन
18.	Correspondent	:	संवाददाता
19.	Information Technology	:	सूचना तंत्रज्ञान
20.	Interview	:	साक्षात्कार
21.	Interruption	:	रुकावट
22.	Journalist	:	पत्रकार
23.	Magazine	:	पत्रिका
24.	Source Language	:	स्रोत भाषा
25.	Transliteration	:	लिप्यंतरण

(ब)	शिक्षा, सभा और संमेलन संबंधी शब्द –		
1.	Abstract	:	सार / संक्षेप
2.	Academic goal	:	शैक्षिक ध्येय
3.	Address	:	अभिभाषण / संबोधन
4.	Adult education	:	प्रौढ शिक्षा
5.	Agenda	:	कार्यसूची
6.	Anniversary	:	जयंती / वर्षगाँठ

7.	Anthology	:	संकलन / संग्रह
8.	Appraisal	:	मूल्यांकन
9.	Attestation	:	साक्षांकन / अनुप्रमाणन
10.	Audiance	:	श्रोतागण
11.	Autonomous	:	स्वायत्त
12.	Bibliography	:	संदर्भ ग्रंथ सूची
13.	Bachelor	:	स्नातक
14.	Closing Speech	:	समापन भाषण
15.	Conference Hall	:	सम्मेलन भवन
16.	Conclusion	:	समापन
17.	Document	:	दस्तावेज
18.	Draft	:	प्रारूप / मसौदा
19.	Guardian	:	अभिभावक
20.	Humanity	:	मानविकी
21.	Hypothesis	:	परिकल्पना
22.	Inauguration	:	उद्घाटन
23.	Informal	:	अनौपचारिक
24.	Symposium	:	संगोष्ठि
25.	Viva-Voce	:	मौखिक परीक्षा

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1 (पारिभाषिक शब्दावली) पर बहुविकल्पी प्रश्न 05

प्रश्न – 2 (कार्यालयीन (पत्राचार) पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) 10
(पत्रलेखन)

प्रश्न – 3 (संदर्भ स्रोतों) पर टिप्पणियॉ (3 में से 2) 10

प्रश्न – 4 (जनसंचार माध्यम एवं दो वृत्तांत लेखन) पर दीर्घोत्तरी प्रश्न
(अंतर्गत विकल्प के साथ) 15

- **अध्ययनार्थ विषय :–** **सत्र – VI**

(प्रश्नपत्र – XV)

युनिट – 1 पारिभाषिक शब्दावली –
दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अंग्रेजी शब्दों एवं पदनामों के हिंदी पर्यायवाची रूप । परिशिष्ट में दिए हुए 'क' तथा 'ड' विभाग के शब्द एवं पदनाम ।

युनिट – 2 वाणिज्यिक पत्राचार –
1) पूछताछ पत्र ।
2) संदर्भ के पत्र ।
3) कयादेश पत्र ।
4) भुगतान पत्र ।
5) सूचनादायी पत्र ।
6) शिकायती पत्र ।

युनिट – 3 संदर्भ स्रोतों का परिचय –
1) शब्दकोश ।
2) विश्वकोश ।
3) पर्यायवाची कोश ।
4) मुहावरें और कहावते कोश ।

युनिट – 4 अनुवाद –
1) अनुवाद : अर्थ और परिभाषा ।
2) अनुवाद के प्रकार (विषय क्षेत्र के तथा प्रकृति के आधार पर)।
3) अनुवादक के गुण ।

हिंदी स्पेशल (प्रश्नपत्र क्र. 7)

प्रयोजनमूलक हिंदी

परिशिष्ट

पारिभाषिक शब्दावली –

(क)	**कार्यालय तथा बैंक संबंधी शब्द –**		
1.	Acknowledgment	:	रसीद
2.	Accidental Profit	:	आकस्मिक लाभ
3.	Account	:	खाता
4.	Act	:	अधिनियम
5.	Acceptance	:	स्वीकृति
6.	Advances	:	अग्रीम राशि
7.	Ad hoc	:	तदर्थ
8.	Article	:	अनुच्छेद
9.	Audit	:	लेखा परीक्षण
10.	Bridge Loan	:	पूरक ऋण
11.	Boom	:	तेजी

12.	Cash Credit	:	नकदी ऋण
13.	Constitution	:	संविधान
14.	Counter Foil	:	आधी रसीद
15.	Envelope	:	लिफाफा
16.	Eraser	:	रबर
17.	Ex-gratia	:	अनुग्रहपूर्वक
18.	Growth rate	:	वृद्धि दर
19.	Ledger	:	लेखा वही
20.	Modus-Operandi	:	कार्यप्रणाली
21.	Promotion	:	पदोन्नति
22.	Stamp-Seal	:	मुहर
23.	Status-quo	:	यथास्थिति
24.	Tentative	:	अंतरिम
25.	Top-priority	:	सर्वोच्च प्राथमिकता

(ड)	**पदनाम संबंधी शब्द –**		
1.	Accountant	:	लेखाकार
2.	Adviser	:	सलाहकार
3.	Advocate	:	अधिवक्ता
4.	Cashier	:	रोकडिया/ खजांची
5.	Custodian	:	अभिरक्षक
6.	Councillor	:	पार्षद
7.	Director	:	निदेशक
8.	Executive Engineer	:	कार्यकारी अभियंता
9.	Foreign Secretary	:	विदेश सचिव
10.	Governer	:	राज्यपाल
11.	His Magesty	:	महामहिम
12.	Investigator	:	अन्वेषक
13.	Manager	:	प्रबंधक
14.	Member of Legislative Assembly	:	विधायक/ विधानसभा सदस्य
15.	Member of Parliament	:	सांसद/ संसद सदस्य
16.	President	:	राष्ट्रपति
17.	Prime Minister	:	प्रधान मंत्री
18.	Registrar	:	कुलसचिव
19.	Speaker	:	सभापति
20.	Stenographer	:	आशुलिपिक
21.	Superintendent	:	अधीक्षक

22.	Treasurer	:	कोषाध्यक्ष
23.	Under Secretary	:	अवर सचिव
24.	Vice-Chancellor	:	कुलपति
25.	Warden	:	रक्षक

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1 (पारिभाषिक शब्दों व पदनामों) पर बहुविकल्पी प्रश्न 05
प्रश्न – 2 (वाणिज्यिक पत्राचार) पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) 10
प्रश्न – 3 (संदर्भ स्रोतों) पर टिप्पणियॉं (3 में से 2) 10
प्रश्न – 4 (युनिट 4 पर) पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 15

- **संदर्भ ग्रंथ सूची :–**

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विविध परिदृश्य – डॉ. रमेश्चंद्र त्रिपाठी । डॉ. पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन, कानपूर ।
3. व्यवसायिक हिन्दी – श्री. दुबे और प्रभाकर गुप्ता, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली ।
4. हिन्दी और उसका व्यवहार : डॉ. व्ही. के. मोरे – फडके प्रकाशन, कोल्हापूर ।
5. मिडिया में कैरियर : पी. के. आर्य, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली – 110 002
6. जनसंचार : कल और आज – चंद्रकांत सरदाना /कृषि मेहता, ज्ञानगंगा, चावडी बाजार, दिल्ली ।
7. पत्रकारिता के सिद्धांत : डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, नमन प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली – 110 002
8. मिडियाकालीन हिन्दी : स्वरूप एवं संभावनाएँ – डॉ. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
9. इलेक्ट्रॉनिक्स् मिडिया एवं सूचना प्राद्योगिकी : डॉ. यू. सी. गुप्ता, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, दरियागंज, नई दिल्ली ।
10. पत्रकारिता : विविध विधाएँ : डॉ. राजकुमारी रानी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद – 211 003
11. आधुनिक जनसंचार और हिंदी – प्रो. हरिमोहन तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
12. अनुवाद विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब घर, दिल्ली
13. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा : डॉ. सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. अनुवाद चिंतन : डॉ. अर्जुन चव्हाण, अमन प्रकाशन, कानपुर

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
तृतीय वर्ष (कला) (बी. ए. भाग – 3 हिंदी)
जून 2012 से लागू
हिंदी स्पेशल (**सत्र – V एवं VI**)

भाषाविज्ञान

- **उद्देश्य :–**

1. भाषा के विविध रूपों का परिचय कराना ।
2. भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय कराना ।
3. हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्भव और विकास का परिचय कराना ।
4. भाषा की शुद्धता के प्रति छात्रों को जागृत कराना ।
5. मानक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से छात्रों को परिचित कराना ।

- **अध्ययनार्थ विषय :–** **सत्र – V**

(प्रश्नपत्र – XI)

युनिट – 1
1) भाषा की परिभाषाएँ
2) भाषा की विशेषताएँ
3) भाषा की उत्पत्ति एवं तत्संबंधी विविध वाद –
(दैवी उत्पत्तिवाद, धातु सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत, संपर्क सिद्धांत तथा समन्वित (समन्वय) सिद्धांत)

युनिट – 2
1) भाषा की परिवर्तनशीलता के कारण
2) भाषा के विविध रूप – बोली
– बोलियों के बनने के कारण ।
– बोलियों के महत्त्व पाकर भाषा बनने के कारण ।
– बोली और भाषा में अंतर ।
– परिनिष्ठित भाषा

युनिट – 3
1) 'हिंदी' शब्द की व्युत्पत्ति ।
2) हिंदी भाषा का उद्भव और विकास ।
3) हिंदी का शब्द समूह ।

युनिट – 4
1) लिपि विकास का सामान्य परिचय ।
2) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1	बहुविकल्पी पाँच प्रश्न (युनिट 1 और युनिट 2 पर)	05
प्रश्न – 2	लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) (युनिट 3 और युनिट 4 पर)	10
प्रश्न – 3	टिप्पणियाँ (3 में से 2)(युनिट 3 और युनिट 4 पर)	10
प्रश्न – 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न (युनिट 1 और युनिट 2 पर) (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

C:\Users\BOS\Desktop\B.A.III Hindi corrected 25-6-12.doc

- **अध्ययनार्थ विषय :–** **सत्र – VI**

(प्रश्नपत्र – XVI)

युनिट – 1
1) भाषाविज्ञान की परिभाषाएँ ।
2) भाषाविज्ञान के अध्ययन का महत्त्व ।
3) भाषाविज्ञान की वैज्ञानिकता ।

युनिट – 2
भाषाविज्ञान के प्रधान अंगों का परिचय –
(ध्वनिविज्ञान, पदविज्ञान, शब्दविज्ञान, वाक्य–विज्ञान, अर्थ–विज्ञान तथा प्रोक्ति – विज्ञान)

युनिट – 3
भाषाविज्ञान का अन्य ज्ञान–विज्ञानों से संबंध –
1) भाषाविज्ञान और साहित्य ।
2) भाषाविज्ञान और व्याकरण ।
3) भाषाविज्ञान और समाजविज्ञान ।
4) भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान ।
5) भाषाविज्ञान और इतिहास ।
6) भाषाविज्ञान और भूगोल ।

युनिट – 4
व्याकरण –
1) उद्देश्य और क्रिया का अन्वय ।
2) कर्म और क्रिया का अन्वय ।
3) पदक्रम ।
4) विराम – चिह्न (केवल अल्प – विराम, निर्देशक (डैश), और अवतरण – चिह्न)
5) मानक–वर्तनी के नियम ।
(प्रत्येक के केवल पॉच नियम अपेक्षित है ।)

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न – 1	बहुविकल्पी पाँच प्रश्न (युनिट 1 और युनिट 3 पर)	05
प्रश्न – 2	लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) (युनिट 4 – व्याकरण पर)	10
प्रश्न – 3	टिप्पणियाँ (3 में से 2)(युनिट 2 पर)	10
प्रश्न – 4	दीर्घोत्तरी प्रश्न (युनिट 1 और युनिट 3 पर)	15

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

वर्ग : बी. ए. भाग : 3

हिंदी (विशेष)

जून २०१२ पासून लागू होणा–या अभ्यासक्रमासाठी समकक्षता

अ. क्र.	जुना अभ्यासक्रम	अ. क्र.	नवीन अभ्यासक्रम
1	अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 4	1	अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 7
			अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 12
2	अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 5	2	अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 8
			अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 13
3	अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 6	3	अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 9
			अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 14
4	अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 7	4	अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 10
			अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 15
5	अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 8	5	अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 11
			अभ्यासपत्रिका क्रमांक : 16